No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिंन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

00205

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'दलित' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके अस्मितागत स्वरूप पर प्रकाश डालिए । *10*

2. दलित-साहित्य के आंदोलन की पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए । *10*

3. 'सत्यशोधक' समाज के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । *10*

4. समाज सुधार के संदर्भ में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के योगदान पर एक आलेख लिखिए । *10*

5. दलित साहित्य के विकास में अंबेडकरवादी विचारधारा के योगदान को स्पष्ट कीजिए । *10*

6. स्वामी अछूतानंद के रचनात्मक अवदान पर प्रकाश डालिए । *10*

7. प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) महात्मा फुले का जीवन-संघर्ष

   (ख) श्रीनारायण गुरु

   (ग) पेरीयार ई.वी. रामास्वामी

   (घ) दलित साहित्य में आक्रोश

9. दलित साहित्य में व्यक्त स्त्री-समस्या पर एक आलेख लिखिए । *10*

10. दलित साहित्य में बौद्ध दर्शन की अभिव्यक्ति पर प्रकाश डालिए । *10*